Q 41 ‘हिन्दी साहित्य का इतिहास’ शीर्षक पुस्तक के लेखक हैं :

(1) रामचन्द्र शुक्ल
(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) देवेन्द्रनाथ शर्मा
(4) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Q 42 हिन्दी साहित्य के इतिहास को मनुष्य की संचित चित्रवृत्तियों से, हिन्दी के कौन-से साहित्येतिहासकार ने जोड़कर अपने साहित्य के इतिहास-दर्शन का प्रतिपादन किया है ?

(1) रामचन्द्र शुक्ल
(2) गणपति चन्द्र गुप्त
(3) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(4) बच्चन सिंह

Q 43 भक्ति आंदोलन के उदय के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(1) ग्रियर्सन के अनुसार भक्ति आंदोलन विदेशी वस्तु है जिसके बारे में हर भारतीय को ज्ञान है ।
(2) रामचंद्र शुक्ल के अनुसार भक्ति आंदोलन बाहरी आक्रमण की प्रतिक्रिया है ।
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी के अनुसार भक्ति आंदोलन भारतीय चिंता का स्वाभाविक विकास है ।
(4) मैनेजर पाण्डेय के अनुसार भक्ति आंदोलन जन संस्कृति का आंदोलन है ।

Q 44 निम्नलिखित कवियों में से कृष्णाश्रयी शाखा का प्रतिनिधित्व कौन-से कवि करते हैं ?

(1) तुलसीदास
(2) कबीरदास
(3) मलूकदास
(4) सूरदास

Q 45 ‘लमही’ किस उपन्यासकार का जन्म-स्थान है ?

(1) नागार्जुन
(2) प्रेमचंद
(3) शिवप्रसाद सिंह
(4) देवकीनंदन खत्री

Q 46 ‘अंतिम अरण्य’ शीर्षक उपन्यास के लेखक का नाम लिखिए ।

(1) यशपाल
(2) रांगेय राघव
(3) नागार्जुन
(4) निर्मल वर्मा

Q 47 निम्नलिखित उपन्यासों में से एक उपन्यास सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’ का ***नहीं*** है :

(1) कब तक पुकारूँ
(2) शेखर : एक जीवनी
(3) अपने-अपने अजनबी
(4) नदी के द्वीप

Q 48 ‘पचपन खंभे लाल दीवारें’ शीर्षक उपन्यास की लेखिका हैं :

(1) मृदुला गर्ग

(2) कृष्णा सोबती
(3) उषा प्रियंवदा
(4) प्रभा खेतान

Q 49 लहना सिंह किस कहानी का पात्र है ?
(1) कफ़न
(2) उसने कहा था
(3) पूस की रात
(4) रोज

Q 50 भारतेन्दु काल को किस काल की संज्ञा दी गयी ?
(1) पुनर्जागरण काल
(2) नव निर्माण काल
(3) जागरण काल
(4) जागरण सुधार काल

Q 51 इनमें से सदल मिश्र की रचना कौन-सी है ?
(1) प्रेम सागर
(2) भाषा योगवाशिष्ठ
(3) भाग्यवती
(4) नासिकेतोपाख्यान

Q 52 "साहित्यकार का काम केवल पाठकों का मन बहलाना नहीं है" प्रेमचंद की इस उक्ति में किस प्रयोजन की ओर संकेत है ?
(1) कला कला के लिए
(2) कला आनंद के लिए
(3) कला जीवन के लिए
(4) कला मनोरंजन के लिए

Q 53 'गार्सां द तासी' का हिन्दी साहित्य के इतिहास से संबंधित ग्रंथ मूलतः किस भाषा में लिखा गया ?
(1) अंग्रेज़ी
(2) फ्रेंच
(3) हिन्दी
(4) जर्मन

Q 54 'प्रेमसागर' के लेखक कौन हैं ?
(1) सदल मिश्र
(2) लल्लू लाल
(3) सदासुखलाल नियाज
(4) रामप्रसाद निरंजनी

Q 55 'हिन्दी नई चाल में ढ़ली' यह कथन निम्नलिखित में से किस साहित्यकार का है ?
(1) रामचन्द्र शुक्ल
(2) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(3) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(4) इंशा अल्ला खां

Q 56 गोपालराम गहमरी ने किस प्रकार के उपन्यासों में प्रसिद्धि पायी ?

(1) पौराणिक
(2) जासूसी
(3) ऐतिहासिक
(4) तिलस्मी एवं ऐयारी

Q 57 निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक जयशंकर प्रसाद का ***नहीं*** है ?

(1) चन्द्रगुप्त
(2) स्कन्दगुप्त
(3) ध्रुवस्वामिनी
(4) विराटा की पद्मिनी

Q 58 हिन्दी का पहला एकांकी निम्नलिखित में से किसे माना जाता है ?

(1) बादल की मृत्यु – रामकुमार वर्मा
(2) कारवाँ – भुवनेश्वर
(3) एक घूँट – जयशंकर प्रसाद
(4) नील देवी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

Q 59 'अतीत के चलचित्र' किस विधा की रचना है ?

(1) यात्रा संस्मरण
(2) रिपोर्ताज
(3) संस्मरण
(4) रेखाचित्र

Q 60 इनमें से कौन-सा व्यक्ति ललित निबंधकार ***नहीं*** है ?

(1) कुबेरनाथ राय
(2) विद्यानिवास मिश्र
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) रामचन्द्र शुक्ल

Q 61 'चिंतामणि' के रचनाकार का नाम है –

(1) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(2) रामचन्द्र शुक्ल
(3) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(4) विवेकी राय

Q 62 निम्नलिखित में से 'बिल्लेसुर बकरिहा' का रचनाकार है –

(1) निराला
(2) नागार्जुन
(3) नरेन्द्र शर्मा
(4) बालकृष्ण भट्ट

Q 63 निम्नलिखित में से 'शिकायत मुझे भी है' का रचनाकार है –

(1) शरद जोशी
(2) मुक्तिबोध
(3) हरिशंकर परसाई

(4) धूमिल

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भिन्न-भिन्न मानसिक संस्कार के लोगों में किसी विषय से संबंध रखने वाली श्रद्धा भिन्न-भिन्न मात्र की हुआ करती है । यदि किसी को शारीरिक बल, साहस्य या चतुराई पर अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो वह इनका दुरुपयोग देखकर भी बनी रह सकती है । अत्याचारियों के बल, डाकुओं के साहस और लंपटों की चालाकी की तारीफ संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है । एक बात और है । यदि किसी पर किसी एक विषय में अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो उसकी अन्य विषयों की त्रुटियों पर ध्यान नहीं जाता और कभी ध्यान भी जाता है तो वे भी सुहावनी लगती हैं । कोई प्रतिभाशाली कवि विलासप्रिय, मद्यप या सनकी है तो जो अत्यंत काव्य-प्रेमी होंगे उनकी घृणा को उसके ये दुर्गुण पूर्ण रूप से आकर्षित न कर सकेंगे । यहाँ तक कि उसके इन दुर्गुणों की चर्चा भी वे बड़ी रुचि के साथ करेंगे और सुनेंगे । बात यह है कि मनुष्य का अंतःकरण एक है । उसकी एक साथ दो परस्पर-विरुद्ध स्थितियाँ नहीं हो सकतीं । इस प्रकार की मानसिक स्तब्धता को श्रद्धांधता कह सकते हैं । यद्यपि श्रद्धांध समाज में उतना अनर्थकारी नहीं हो सकता, उतना अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जितना मदांध, क्रोधांध या ईर्ष्यांध, पर उसकी श्रद्धा के बढ़ते-बढ़ते क्रियमाण रूप धारण करने पर और शील-संबंधिनी चेतना को बिल्कुल जवाब मिल जाने पर समाज के अनिष्ट में ब्याज से सहायता पहुँच सकती है ।

Q 64 शारीरिक बल का दुरुपयोग देखकर भी उसके प्रति श्रद्धा क्यों बनी रह सकती है ?

(1) शारीरिक रूप से मजबूत व्यक्ति से डरकर

(2) शारीरिक रूप से मजबूत व्यक्ति से प्रभावित होकर

(3) शारीरिक बल के प्रति अधिक श्रद्धावान होने के कारण

(4) मजबूत शरीर के प्रति आकर्षित होने के कारण

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भिन्न-भिन्न मानसिक संस्कार के लोगों में किसी विषय से संबंध रखने वाली श्रद्धा भिन्न-भिन्न मात्र की हुआ करती है । यदि किसी को शारीरिक बल, साहस्य या चतुराई पर अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो वह इनका दुरुपयोग देखकर भी बनी रह सकती है । अत्याचारियों के बल, डाकुओं के साहस और लंपटों की चालाकी की तारीफ संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है । एक बात और है । यदि किसी पर किसी एक विषय में अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो उसकी अन्य विषयों की त्रुटियों पर ध्यान नहीं जाता और कभी ध्यान भी जाता है तो वे भी सुहावनी लगती हैं । कोई प्रतिभाशाली कवि विलासप्रिय, मद्यप या सनकी है तो जो अत्यंत काव्य-प्रेमी होंगे उनकी घृणा को उसके ये दुर्गुण पूर्ण रूप से आकर्षित न कर सकेंगे । यहाँ तक कि उसके इन दुर्गुणों की चर्चा भी वे बड़ी रुचि के साथ करेंगे और सुनेंगे । बात यह है कि मनुष्य का अंतःकरण एक है । उसकी एक साथ दो परस्पर-विरुद्ध स्थितियाँ नहीं हो सकतीं । इस प्रकार की मानसिक स्तब्धता को श्रद्धांधता कह सकते हैं । यद्यपि श्रद्धांध समाज में उतना अनर्थकारी नहीं हो सकता, उतना अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जितना मदांध, क्रोधांध या ईर्ष्यांध, पर उसकी श्रद्धा के बढ़ते-बढ़ते क्रियमाण रूप धारण करने पर और शील-संबंधिनी चेतना को बिल्कुल जवाब मिल जाने पर समाज के अनिष्ट में ब्याज से सहायता पहुँच सकती है ।

Q 65 अनुच्छेद के अनुसार निम्नलिखित में से किस बात की तारीफ संसार में ***नहीं*** होती है ?

(1) बदमाशों

(2) अत्याचारियों

(3) डाकुओं

(4) लंपटों

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भिन्न-भिन्न मानसिक संस्कार के लोगों में किसी विषय से संबंध रखने वाली श्रद्धा भिन्न-भिन्न मात्र की हुआ करती है । यदि किसी को शारीरिक बल, साहस्य या चतुराई पर अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो वह इनका दुरुपयोग देखकर भी बनी रह सकती है । अत्याचारियों के बल, डाकुओं के साहस और लंपटों की चालाकी की तारीफ संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है । एक बात और है । यदि किसी पर किसी एक विषय में अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो उसकी अन्य विषयों की त्रुटियों पर ध्यान नहीं जाता और कभी ध्यान भी जाता है तो वे भी सुहावनी लगती हैं । कोई प्रतिभाशाली कवि विलासप्रिय, मद्यप या सनकी है तो जो अत्यंत काव्य-प्रेमी होंगे उनकी घृणा को उसके ये दुर्गुण पूर्ण रूप से आकर्षित न कर सकेंगे । यहाँ तक कि उसके इन दुर्गुणों की चर्चा भी वे बड़ी रुचि के साथ करेंगे और सुनेंगे । बात यह है कि मनुष्य का अंतःकरण एक है । उसकी एक साथ दो परस्पर-विरुद्ध स्थितियाँ नहीं हो सकतीं । इस प्रकार की मानसिक स्तब्धता को श्रद्धांधता कह

सकते हैं । यद्यपि श्रद्धांध समाज में उतना अनर्थकारी नहीं हो सकता, उतना अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जितना मदांध, क्रोधांध या ईर्ष्यांध, पर उसकी श्रद्धा के बढ़ते-बढ़ते क्रियमाण रूप धारण करने पर और शील-संबंधिनी चेतना को बिल्कुल जवाब मिल जाने पर समाज के अनिष्ट में ब्याज से सहायता पहुँच सकती है ।

Q 66 किसी विषय विशेष में अधिक श्रद्धा के कारण क्या होता है ?

(1) हम उस विषय पर अधिक ध्यान देते हैं ।

(2) हम किसी अन्य विषय पर ध्यान नहीं देते हैं ।

(3) उसकी कमियाँ भी सुहावनी लगती हैं ।

(4) हम उस विषय के विशेषज्ञ हो जाते हैं ।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भिन्न-भिन्न मानसिक संस्कार के लोगों में किसी विषय से संबंध रखने वाली श्रद्धा भिन्न-भिन्न मात्र की हुआ करती है । यदि किसी को शारीरिक बल, साहस्य या चतुराई पर अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो वह इनका दुरुपयोग देखकर भी बनी रह सकती है । अत्याचारियों के बल, डाकुओं के साहस और लंपटों की चालाकी की तारीफ संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है । एक बात और है । यदि किसी पर किसी एक विषय में अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो उसकी अन्य विषयों की त्रुटियों पर ध्यान नहीं जाता और कभी ध्यान भी जाता है तो वे भी सुहावनी लगती हैं । कोई प्रतिभाशाली कवि विलासप्रिय, मद्यप या सनकी है तो जो अत्यंत काव्य-प्रेमी होंगे उनकी घृणा को उसके ये दुर्गुण पूर्ण रूप से आकर्षित न कर सकेंगे । यहाँ तक कि उसके इन दुर्गुणों की चर्चा भी वे बड़ी रुचि के साथ करेंगे और सुनेंगे । बात यह है कि मनुष्य का अंतःकरण एक है । उसकी एक साथ दो परस्पर-विरुद्ध स्थितियाँ नहीं हो सकतीं । इस प्रकार की मानसिक स्तब्धता को श्रद्धांधता कह सकते हैं । यद्यपि श्रद्धांध समाज में उतना अनर्थकारी नहीं हो सकता, उतना अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जितना मदांध, क्रोधांध या ईर्ष्यांध, पर उसकी श्रद्धा के बढ़ते-बढ़ते क्रियमाण रूप धारण करने पर और शील-संबंधिनी चेतना को बिल्कुल जवाब मिल जाने पर समाज के अनिष्ट में ब्याज से सहायता पहुँच सकती है ।

Q 67 निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(1) संसार में भिन्न-भिन्न मानसिक संस्कार के लोग होते हैं ।

(2) मनुष्य का अंतःकरण भिन्न-भिन्न होता है ।

(3) मनुष्य की एक साथ दो परस्पर-विरुद्ध स्थितियाँ नहीं हो सकती ।

(4) समाज में श्रद्धांध उतना अनर्थकारी नहीं हो सकता जितना मदांध ।

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भिन्न-भिन्न मानसिक संस्कार के लोगों में किसी विषय से संबंध रखने वाली श्रद्धा भिन्न-भिन्न मात्र की हुआ करती है । यदि किसी को शारीरिक बल, साहस्य या चतुराई पर अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो वह इनका दुरुपयोग देखकर भी बनी रह सकती है । अत्याचारियों के बल, डाकुओं के साहस और लंपटों की चालाकी की तारीफ संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है । एक बात और है । यदि किसी पर किसी एक विषय में अत्यंत अधिक श्रद्धा है तो उसकी अन्य विषयों की त्रुटियों पर ध्यान नहीं जाता और कभी ध्यान भी जाता है तो वे भी सुहावनी लगती हैं । कोई प्रतिभाशाली कवि विलासप्रिय, मद्यप या सनकी है तो जो अत्यंत काव्य-प्रेमी होंगे उनकी घृणा को उसके ये दुर्गुण पूर्ण रूप से आकर्षित न कर सकेंगे । यहाँ तक कि उसके इन दुर्गुणों की चर्चा भी वे बड़ी रुचि के साथ करेंगे और सुनेंगे । बात यह है कि मनुष्य का अंतःकरण एक है । उसकी एक साथ दो परस्पर-विरुद्ध स्थितियाँ नहीं हो सकतीं । इस प्रकार की मानसिक स्तब्धता को श्रद्धांधता कह सकते हैं । यद्यपि श्रद्धांध समाज में उतना अनर्थकारी नहीं हो सकता, उतना अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जितना मदांध, क्रोधांध या ईर्ष्यांध, पर उसकी श्रद्धा के बढ़ते-बढ़ते क्रियमाण रूप धारण करने पर और शील-संबंधिनी चेतना को बिल्कुल जवाब मिल जाने पर समाज के अनिष्ट में ब्याज से सहायता पहुँच सकती है ।

Q 68 किसी अत्यंत काव्य-प्रेमी की घृणा को प्रतिभाशाली विलासप्रिय कवि के कौन-से दुर्गुण आकर्षित न कर सकेंगे ?

(1) कवित्व और प्रतिभाहीनता

(2) बेईमानी और भ्रष्टाचार

(3) किसी अन्य की नकल और फूहड़ता

(4) मद्यपान और सनकीपन

Q 69

‘वोल्गा से गंगा’ के रचनाकार का नाम है –

(1) अज्ञेय
(2) नामवर सिंह
(3) रामविलास शर्मा
(4) राहुल सांकृत्यायन

Q 70 ‘कर्मनाशा की हार’ के रचयिता का नाम है –

(1) शिवानी
(2) शिवमंगल सिंह ‘सुमन’
(3) शिव प्रसाद सिंह
(4) ममता कालिया

Q 71 हिन्दी साहित्य के आदिकाल को ‘चारणकाल’ निम्नलिखित में से किस इतिहासकार ने पहले कहा है ?

(1) जॉर्ज ग्रियर्सन
(2) रामचंद्र शुक्ल
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) रामकुमार वर्मा

Q 72 रामचंद्र शुक्ल ने नाथों की संख्या कितनी बतायी है ?

(1) सात
(2) आठ
(3) नौ
(4) दस

Q 73 रासो काव्य का प्रधान रस वीर है, इसके अलावा दूसरा रस इस काव्य में कौन-सा समावेशित है ?

(1) श्रृंगार
(2) वीभत्स
(3) वीर
(4) शांत

Q 74 ‘भक्ति की निष्पत्ति श्रद्धा और प्रेम के योग से होती है ।’
यह कथन किनका है ?

(1) रामचन्द्र शुक्ल
(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(3) नगेन्द्र
(4) नामवर सिंह

Q 75 सूफी काव्यधारा को निम्नलिखित में से किसने ‘प्रेमाश्रयी शाखा’ कहा है ?

(1) नगेन्द्र
(2) गुलाब राय
(3) रामकुमार वर्मा
(4) रामचन्द्र शुक्ल

Q 76 ज्ञानाश्रयी काव्यधारा में किस वर्ग के कवि आते हैं ?

(1) रामभक्त कवि
(2) सूफी कवि

(3) कृष्णभक्त कवि

(4) संत कवि

Q 77 'भक्तमाल' किस भक्त कवि की रचना है ?

(1) केशवदास

(2) नाभादास

(3) अग्रदास

(4) ईश्वरदास

Q 78 कृष्ण भक्तिकाव्य में कथा का स्रोत क्या है ?

(1) भागवत् पुराण

(2) गीता

(3) श्रीमद्भागवत

(4) उपनिषद्

Q 79 राधावल्लभ संप्रदाय के संस्थापक कौन थे ?

(1) हित हरिवंश

(2) स्वामी हरिदास

(3) चैतन्य महाप्रभु

(4) वल्लभाचार्य

Q 80 पुष्टिमार्ग का मूल आधार क्या है ?

(1) भगवान का अनुग्रह

(2) ईश्वर का वरदान

(3) नवधा भक्ति

(4) ज्ञान की प्राप्ति

Q 81 रीतिकाल को 'श्रृंगार काल' कहने की सिफ़ारिश सबसे पहले निम्नलिखित में से किसने की है ?

(1) रामचन्द्र शुक्ल

(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(3) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(4) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Q 82 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' के रचनाकार का नाम है –

(1) कुबेरनाथ राय

(2) विद्यानिवास मिश्र

(3) सुभद्रा कुमारी चौहान

(4) महादेवी वर्मा

Q 83 'घासीराम कोतवाल' के रचनाकार का नाम है –

(1) विजय तेन्दुलकर

(2) कमलेश्वर

(3) भीष्म साहनी

(4) गिरीश कर्नाड

Q 84 'द्विवेदी युग' का नामकरण किस साहित्यकार के नाम पर हुआ है ?

(1) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(2) शांतिप्रसाद द्विवेदी
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) राम अवध द्विवेदी

Q 85 'गंगावतरण' काव्य के रचनाकार का क्या नाम है ?
(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(2) जगन्नाथ दास रत्नाकर
(3) श्रीधर पाठक
(4) सत्यनारायण 'कविरत्न'

Q 86 जयशंकर प्रसाद की किस रचना में सर्वप्रथम छायावादी प्रवृत्तियों की झलक मिलती है ?
(1) कामायनी
(2) आँसू
(3) झरना
(4) लहर

Q 87 महादेवी वर्मा को उनकी किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?
(1) दीपशिखा
(2) यामा
(3) नीरजा
(4) सांध्यगीत

Q 88 निम्नलिखित में से कौन-सा कवि 'तारसप्तक' में सम्मिलित ***नहीं*** है ?
(1) नेमिचंद्र जैन
(2) प्रभाकर माचवे
(3) अज्ञेय
(4) रघुवीर सहाय

Q 89 'साँप ! तुम सभ्य तो हुए नहीं' यह पंक्ति किस कवि की है ?
(1) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(2) रघुवीर सहाय
(3) विनोद शुक्ल
(4) सच्चिदानंद हीरानंद, वात्स्यायन 'अज्ञेय'

Q 90 'सीढ़ियों पर धूप में' कविता-संग्रह किस कवि का है ?
(1) अज्ञेय
(2) धूमिल
(3) रघुवीर सहाय
(4) मुक्तिबोध

Q 91 'नयी कविता' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किस साहित्यकार ने किया था ?
(1) अज्ञेय
(2) जगदीश गुप्त
(3) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(4) धर्मवीर भारती

Q 92 'दुख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात' – ये पंक्तियाँ छायावाद की किस काव्य-रचना की हैं ?

(1) कामायनी
(2) आँसू
(3) राम की शक्ति पूजा
(4) झरना

Q 93 'खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य' किस रचना को माना जाता है ?

(1) उर्वशी
(2) प्रियप्रवास
(3) कामायनी
(4) साकेत

Q 94 'भूषण' के काव्य में किस काव्य-गुण की प्रधानता है ?

(1) माधुर्य
(2) ओज
(3) प्रसाद
(4) माधुर्य और ओज दोनों

Q 95 सूर की वाग्वैदग्धता अथवा उक्ति वैचित्र्य का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण किस प्रसंग में मिलता है ?

(1) बाल लीला वर्णन
(2) उद्धव-गोपी संवाद
(3) विरह-वर्णन
(4) श्रृंगार-वर्णन

Q 96 'गोद लिए हुलसी फिरै तुलसी सो सुत होय ।' काव्य-पंक्ति के रचयिता हैं :

(1) तुलसीदास
(2) नंददास
(3) रहीम
(4) मलूकदास

Q 97 'अब लौ नसानी, अब न नसैहौं' तुलसीदास की यह उक्ति उनकी किस रचना से उद्धृत है ?

(1) रामचरितमानस
(2) विनय पत्रिका
(3) कवितावली
(4) दोहावली

Q 98 निम्नलिखित में से कौन-सी रचना द्विवेदी-युग की ***नहीं*** है ?

(1) वैदेही – वनवास
(2) भारत – भारती
(3) उद्धव – शतक
(4) आँसू

Q 99 'गोल्ड स्मिथ' की काव्य-रचना का 'एकान्तवासी योगी' शीर्षक से किस रचनाकार ने काव्यानुवाद किया है ?

(1) श्रीधर पाठक
(2) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(3) रामचन्द्र शुक्ल
(4) राधाकृष्ण दास

Q 100 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' – यह उक्ति किस कवि की है ?
(1) रघुवीर सहाय
(2) धूमिल
(3) मुक्तिबोध
(4) रामधारी सिंह 'दिनकर'

Q 101 'ठंडा लोहा' किस कवि की रचना है ?
(1) शमशेर बहादुर सिंह
(2) धर्मवीर भारती
(3) मुक्तिबोध
(4) नरेन्द्र शर्मा

Q 102 'कुआनो नदी' किस कवि की रचना है ?
(1) रघुवीर सहाय
(2) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(3) जगदीश गुप्त
(4) कुँअर नारायण

Q 103 'परख' के रचनाकार का नाम बताइये ।
(1) जैनेन्द्र कुमार
(2) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
(3) कमलेश्वर
(4) नागार्जुन

Q 104 'हिन्दी दिवस' निम्नलिखित में से किस तिथि को मनाया जाता है ?
(1) 12 सितंबर
(2) 5 सितंबर
(3) 14 सितंबर
(4) 14 नवंबर

Q 105 'विभावरी' किस प्रकार का शब्द है ?
(1) तत्सम
(2) तद्भव
(3) देशज
(4) विदेशज

Q 106 'क्ष' वर्ण किसके योग से बना है ?
(1) क् + ष
(2) क् + च
(3) क् + छ
(4) क् + श

Q 107 उपसर्ग का प्रयोग किस स्थान पर होता है ?

(1) शब्द के प्रारम्भ में

(2) शब्द के मध्य में

(3) शब्द के अंत में

(4) इनमें से कोई नहीं

Q 108 'तम्बाकू' किस भाषा का शब्द है ?

(1) पुर्तगाली

(2) फारसी

(3) तुर्की

(4) अरबी

Q 109 'फेंक कर चलाया जाने वाला हथियार' – इसके लिए निम्नलिखित में से सही शब्द का चयन कीजिए ।

(1) शस्त्र

(2) अस्त्र

(3) मारना

(4) त्रिशूल

Q 110 'स्वेच्छा से पति चुनने वाली' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द वाले सही विकल्प का चयन कीजिए ।

(1) वनिता

(2) वामा

(3) स्वेच्छाचारिणी

(4) स्वयंवरा

Q 111 'अनिश्चित जीविका' के लिए सही शब्द इनमें से कौन-सा है ?

(1) आकाशवृत्ति

(2) दैनिक मजदूरी

(3) स्वल्प

(4) अल्पवृत्ति

Q 112 'आठ-आठ आँसू रोना' का सही अर्थ बताइए ।

(1) बिलख-बिलख कर रोना

(2) बहुत विलाप करना

(3) बुरी तरह पछताना

(4) नाटक करना

Q 113 रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून ।

पानी गए न उबरै मोती मानुस चून ।।

उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है ?

(1) रूपक

(2) श्लेष

(3) यमक

(4) भ्रांतिमान

Q 114 सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात ।

मनहुँ नीलमणि सैल पर, आतप पर्यौ प्रभात ।।

– में कौन-सा अलंकार है ?

(1) यमक
(2) भ्रांतिमान
(3) उत्प्रेक्षा
(4) रूपक

Q 115 'मो सम कौन कुटिल खल कामी ।' – में कौन-सा अलंकार है ?

(1) उपमा
(2) उत्प्रेक्षा
(3) श्लेष
(4) वक्रोक्ति

Q 116 वक्रोक्ति को काव्य की आत्मा किसने कहा है ?

(1) राजशेखर
(2) भामह
(3) कुन्तक
(4) विश्वनाथ

Q 117 संविधान में केवल हिन्दी को कौन-सा दर्जा दिया गया ?

(1) राष्ट्रभाषा
(2) राजभाषा
(3) संपर्कभाषा
(4) मानकभाषा

Q 118 संविधान के प्रारंभ में कितने वर्ष के लिए अंग्रेज़ी को राजकीय कामकाज के लिए अधिकृत किया गया था ?

(1) 10 वर्ष
(2) 15 वर्ष
(3) 20 वर्ष
(4) सदा के लिए

Q 119 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' – यह किस कवि की पंक्ति है ?

(1) जयशंकर प्रसाद
(2) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
(3) बालकृष्ण भट्ट
(4) मैथिलीशरण गुप्त

Q 120 निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द तत्सम ***नहीं*** है ?

(1) अक्षि
(2) अग्नि
(3) अमूल्य
(4) कपूत